राजधानी में बनेगा देश का सबसे बड़ा इनक्यूबेटर

एयरपोर्ट के पास दो लाख स्क्वॉयर फुट में बनेगा सेंटर, प्रदेश सरकार स्टार्टअप पर 4000 करोड़ करेगी खर्च

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

स्टार्टअप के नए-नए आइडिया को प्रदेश में आकार देने और उन्हें तकनीकी और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए राजधानी में देश का सबसे बड़ा इनक्यूबेटर बनाया जाएगा। इससे राज्य में ज्यादा से जॉब के अवसर पैदा होंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा। यह जानकारी बुधवार को प्रदेश के अपर मुख्य सचिव संजीव शरण ने आईआईएम में 'क्रिएटिंग एन इको-सिस्टम फॉर स्टार्टअप' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में दी।

अभी देश का सबसे बड़ा इनक्यूबेटर हैदराबाद में है। उन्होंने कहा कि अमौसी एयरपोर्ट के पास इसके लिए दो लाख स्क्वायर फुट जमीन इसकी स्थापना होगी। इस सेंटर के माध्यम से यूपी की रजिस्टर्ड कंपनियों को सिडबी के जरिए फंडिंग की जाएगी। प्रदेश सरकार प्रत्येक स्टार्टअप को 25 लाख रुपये देती है। फिर भी हम इसे रिव्यू कर रहे हैं एक माह में नई स्टार्टअप पॉलिसी लाएंगे। संजीव शरण ने कहा कि हम केएनआईटी सुल्तानपुर, आईआईटी बीएचयू, आईआईटी कानपुर और लखनऊ के साथ मिलकर इनक्यूबेटर लगा रहे हैं। इसका बजट बजट 4000 करोड़ रुपये होगा। सरकार ने तय किया है कि युवाओं के बीच स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए हर कॉलेज-इंस्टीट्यूट में एक स्टार्टअप कोआर्डिनेटर तैनात किया जाए। इससे पहले स्वागत भाषण में आईआईएम निदेशक प्रो. अजीत प्रसाद ने कहा कि हम स्टार्टअप आइडिया को तकनीकी सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने युवाओं से नए आइडिया देने को कहा। लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष व पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने कहा कि यूपी के विकास के लिए रोजगार चाहिए। इसमें सरकार, इंडस्ट्री, प्राइवेट सेक्टर, सबको मिलकर काम करना होगा। इस समय जॉब लेस ग्रोथ हो रही है, हमें जॉब पैदा करना होगा। अब इंडस्ट्री नहीं स्टार्टअप ही जॉब देंगे। विशिष्ट अतिथि इंफो एज के संस्थापक संजीव भिखचंदानी ने कहा कि युवाओं में अब भी स्टार्टअप के प्रति अपेक्षित रुचि नहीं है। आज सबसे अधिक जॉब मोबाइल कंपनी और आईटी सेक्टर में हैं। यूपी स्टार्टअप का बड़ा हब बन सकता है।

आईआईएम में बुधवार को 'क्रिएटिंग एन इको-सिस्टम फॉर स्टार्टअप' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्यपाल राम नाईक को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। *अमर उजाला*

हैदराबाद में होगी पहली एशिया ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट : नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव यदुवेंद्र माथुर ने कार्यशाला में बताया कि केंद्र सरकार 28, 29, 30 नवंबर को हैदराबाद में 'ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट' का आयोजन कर रही है। यह एशिया की पहली समिट है। इसकी थीम वीमेन फर्स्ट है। हम महिला उद्यमियों, गृहणियों को स्टार्टअप से जोड़कर शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम करेंगे। इस समिट का फोकस वीमेन फर्स्ट, हेल्थ और एजूकेशन सेक्टर होगा।

आगे आएं महिलाएं : नाईक

राज्यपाल राम नाईक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि देश और उत्तर प्रदेश बदल रहा है। अब तो अधिकतर मेडल भी लड़कियां ले रही हैं। स्टार्टअप में भी महिलाओं को आगे आना चाहिए। सरकार को उन्हें इससे जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। देश तभी आगे बढ़ेगा जब यूपी बढ़ेगा। यूपी को उत्तम नहीं सर्वोत्तम प्रदेश बनाना है।